वार्तालाप-595, धुलावाड़ी (नेपाल), दिनांक 05.07.08 Disc.CD No.595, dated 05.07.08 at Dhulawari (Nepal) Extracts-Part-1

समयः 00.01-01.35

जिज्ञासुः बाबा, अभी तो बाबा का रूप साधारण है। अंत में जाके असाधारण होगा बोलते हैं। असाधारण माना?

बाबाः बाबा का ये चेहरा, ये मोहरा, ये चाल, ये बात, ये ढाल, सब चेंज हो जावेंगी।

जिज्ञासुः असाधारण हो जाएगा।

बाबाः असाधारण दिखाई पड़ेंगे।

जिज्ञासुः बाबा, पीछे जाके अपना पार्ट अपने आप पता चल जाएगा कि अंत में जाके पढ़ाई के हिसाब से 'मैं ये हूँ' पिछले जन्म अगले जन्म का सब पता चल जाएगा बाबा अपना पार्ट?

बाबाः जो तीखे पुरुषार्थी होंगे उनको पता चलता जावेगा।

जिज्ञासः साक्षात्कार के अन्सार या पढ़ाई के अन्सार?

बाबाः साक्षात्कार तो भिक्तमार्ग की बात हो गई। पढ़ाई तो बुद्धियोग की बात है। बाबा के बच्चे बुद्धिमान बच्चे हैं या साक्षात्कार करने वाले बच्चे हैं? बुद्धिमान बच्चे हैं। बुद्धिमान बाप है।

जिज्ञास्ः इसका मतलब पढ़ाई से पता चल जाएगा ना।

बाबाः पढ़ाई बुद्धि से पढ़ी जाती है या साक्षात्कार से पढ़ी जाती है? बुद्धि से पढ़ाई पढ़ी जाती है।

Time: 00.01-01.35

Student: Baba, now Baba's form is ordinary (*saadhaaran*). It is said that it will become extraordinary (*asaadhaaran*) in the end. What is meant by extraordinary?

Baba: This face and features of Baba, this walking style, this talking style, everything will *change*.

Student: It will become extraordinary, won't it?

Baba: He will appear extraordinary.

Student: Baba, in the end, will we know about our part automatically or will we know about our part, that 'this is my part', about our past and future births on the basis of knowledge?

Baba: Those who are intense *purushaarthi*¹ will go on realizing [their parts].

Student: Will it be on the basis of visions (saakshaatkaar) or on the basis of knowledge?

Baba: Vision is a topic of the path of *bhakti*. Knowledge is related to the intellect. Are Baba's children intelligent or are they the children who have visions? They are the intelligent children. The Father is intelligent.

Student: It means that we will come to know [of our parts] on the basis of knowledge, won't we?

Baba: Do we study through the intellect or through visions? Knowledge is studied through the intellect.

-

¹ The ones who makes spiritual effort

समयः 01.40-02.20

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोला है कि पढ़ाई तो अंत तक 2036 तक चलेगा।

बाबाः सबके लिए थोड़े ही चलेगा। जो देहभान में जीते रहेंगे उनके लिए पढ़ाई चलती रहेगी। जब तक जीना है तब तक पीना है। तो देहभान में जिन्दा रहेंगे उनकी पढ़ाई चलेगी। जिनका देहभान खलास हो गया, आत्मा बन गए तो पढ़ाई क्यों पढ़ेंगे? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) फिर तो सेवा करेंगे।

जिज्ञासुः जो देहभानी है वो 2036 तक पढ़ेगा ना। बाबाः हाँ, जो पीछे रह जाएंगे वो पढ़ाई पढ़ते रहेंगे।

Time: 01.40-02.20

Student: Baba, it has been said in the murli that the studies will continue till the end, till 2036.

Baba: It will not continue [till 2036] for everyone. The studies will continue [till 2036] for those who will continue to live in body consciousness. You have to drink [the nectar of knowledge] until you are alive. So, those who continue to be alive in body consciousness will continue to study. Why will those who end their body consciousness, those who become souls study the knowledge? (Student said something.) Then they will do service.

Student: The one who is body conscious will study till 2036, will he not?

Baba: Yes, those who lag behind will continue to study.

समयः 02.25-02.45

जिज्ञासुः बाबा, त्रिलोकीनाथ शिवबाबा है क्या?

बाबाः तीन लोकों का नाथ बनता है? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ, त्रिलोकीनाथ तो तुम बनते हो।

Time: 02.25-02.45

Student: Baba, is Shivbaba *Trilokinath* (Lord of the three worlds)?

Baba: Does He become the Lord (*naath*) of the three worlds (*teen lok*)? (Student said something.) Yes, it is you who become *Trilokinath*.

समयः 02.50-03.50

जिज्ञास्ः बाबा म्रली में कहा है योगियों का कभी हार्ट फेल नहीं होता।

बाबा: हाँ, जी।

जिज्ञासु: शास्त्रों में एक बात आया है किसी बहेलिये ने कृष्ण के पांव में तीर मारा तो कृष्ण घायल हो गया। इसका राज़ क्या है?

बाबाः ये तो भिक्तिमार्ग की बात बताई। ज्ञान मार्ग की बात थोड़े ही है ये। पांव तो बुद्धि रूपी पांव होता है। कोई को तीर मारा जाता है बात का, तो बात का तीर बुद्धि में घाव करता है

या स्थूल पांव में घाव करता है? (जिज्ञासु - बुद्धि में।) तो बुद्धि रूपी पांव में कोई बहेलिये ने तीर मारा और 68-69 में उन्होंने शरीर छोड़ दिया। बात कहाँ की है? संगमय्ग की बात है।

Time: 02.50-03.50

Student: Baba, it has been said in the murli that the *yogis* never suffer heart failure.

Baba: Yes.

Student: A point has been mentioned in the scriptures that a hunter (*baheliyaa*) shot an arrow at Krishna's leg; so, Krishna was injured. What is the secret in this?

Baba: This is about the path of *bhakti*. It is not about the path of knowledge. The leg is the intellect like leg. An arrow of words is shot at someone; so, does the arrow of words cause injury to the intellect or to the physical leg? (Student: to the intellect.) So, a hunter shot an arrow at the leg like intellect and he (Krishna) left his body in 68-69. It is about which time? It is about the Confluence Age.

समयः 03.55-04.20

जिज्ञासुः दूसरा है, जिसका साथी है भगवान उसको क्या रोके आँधी और तूफान।

बाबाः उसको क्या रोके आँधी और तूफान। हाँ।

जिज्ञासः हवा जिसकी ... बनकर हिफाज़त करे......

बाबा: हाँ जी, हाँ जी।

जिज्ञास्: इसका प्रा अर्थ।

बाबाः अरे, भगवान जिसका साथी होगा उसको कोई हराय सकेगा? उसको कौन हरायेगा? उसकी तो जीत ही जीत है।

Time: 03.55-04.20

Student: The second [question] is, [there is a song] *jiskaa saathi hai bhagwaan, usko kyaa roke aandhi aur toofaan*²?

Baba: How can tempests and storms stop him? Yes [proceed].

Student: The one who is protected by the wind as.....

Baba: Yes.

Student: Please explain its complete meaning.

Baba: *Arey*, can anyone defeat the one whose companion is God? Who will be able to defeat him? There is just victory for him.

समयः 04.35-05.40

जिज्ञासुः वो बोल रही है कि शालिग्राम होते हैं ना। उनको छूना नहीं होता है। अगर कोई छू देगा तो उसका शरीर वज्र का बन जाएगा।

बाबाः शालिग्राम छूना नहीं होता है? छुएंगे नहीं तो फिर उठाकर सिंहासन पर कैसे रखा जाता है?

_

² How can tempests and storms stop the one whose companion is God

जिज्ञासुः कह रही है माताओं के लिए। स्त्री जो माताएं-कन्याएं हैं वो शालिग्राम नहीं छू सकती हैं। पूजा पाठ जब करते हैं ना तब उनको माता-कन्या नहीं छू सकती हैं। पुरुष भले छू सकते हैं, लेकिन माता-कन्या नहीं छू सकते।

बाबाः रुद्रमाला के जो मणके बनते हैं पक्के-पक्के। क्या? परिपूर्ण जो मणके बन जाते हैं रुद्रमाला के वो आत्मिक स्थिति में स्थित हो जाते हैं। और आत्मिक स्थिति में जो स्थित हो जाते हैं उनमें देहभान रहता है कि नहीं रहता है? (जिज्ञासु - खत्म हो जाता है।) देहभान ही नहीं रहता है। तो जिनमें देहभान नहीं है, और उनको कोई इच्छा से फिर टच करे तो पाप लगेगा ना।

Time: 04.35-05.40

Student: She is saying that there are small *shaaligraams*³, aren't there? You are not supposed to touch them. If anyone touches them, then their body will become hard (*vajra*).

Baba: Are you not supposed to touch *shaaligraam*? If you do not touch, then how will you lift it and keep it on the throne?

Student: She is speaking about the mothers. Women, i.e. the mothers and virgins cannot touch the *shaaligraam*. While worshiping [the *shaaligraams*], the mothers and virgins cannot touch them. The men can touch them, but the mothers and virgins cannot touch them.

Baba: Those who become the firm beads of the *Rudramala*⁴; what? The beads of the *Rudramala* which become complete become constant in the soul conscious stage. And does body consciousness remain in those who become constant in the soul conscious stage or not? (Student: It ends.) The body consciousness doesn't remain. So, if someone touches with desire the one who doesn't have body consciousness, then he will accumulate sin, won't he?

समयः 05.43-08.10

जिज्ञासुः बाबा, इस समय चारों तरफ एक ही चल रहा है एडवांस वाले भाई-बहनों का मन में कि हम जब भिक्तमार्ग में थे तो गुरुओं से मिलते थे और बेसिक में जब थे तो दादी-दीदियों से मिलते थे। ब्रहमा बाबा मतलब ऐसे।

बाबाः यहाँ दीदी-दादियों से नहीं मिल रहे हैं?

जिज्ञासुः नहीं। अब भी जो साकार में बाबा आया है एडवांस में तो हर भाई-बहन की इच्छा होती है बाबा से पर्सनल मिले, पर्सनल बातचीत करें। लेकिन अभी कोई भी ऐसा पूरा नहीं हो पा रहा है।

बाबाः अव्यक्त रहने की बात कहाँ चली गई?

जिज्ञास्ः साकार में आए हैं तो...।

बाबाः हाँ, साकार में आए हैं तो साकार में नए-नए बच्चों के लिए आए हैं न कि पुराने-पुरानों के लिए आए हैं। साकार में नए-नए बच्चों के लिए आए हैं, जो नए-नए बच्चे पैदा होते रहते

⁴ The rosary of Rudra.

³ Small round pebbles

हैं ढेर के ढेर तादाद में उन बच्चों को पालना देने के लिए हैं या पुराने बच्चे जो हैं उनके लिए हैं उन्हीं को पालना देते रहेंगे ?

Time: 05.43-08.10

Student: Baba, at this time everywhere the brothers and sisters of the advance party are thinking that when they were in the path of *bhakti*, they used to meet the *gurus* and when they were in the basic [knowledge], they used to meet the *dadis* and *didis*, Brahma Baba.

Baba: Are they not meeting the *didis* and *dadis* now?

Student: No [it is not that]. Now when Baba has come in a corporeal form, in the advance [party], every brother and sister desires to meet Baba personally, to talk to Him personally. But now such desires are not being fulfilled.

Baba: What about the topic of becoming avyakt (subtle)?

Student: He has come in a corporeal form...

Baba: Yes, He has come in a corporeal form; so, has He come in a corporeal form for the new children or for the old ones? Has He come in a corporeal form for the new children; is He present to give sustenance to the numerous new children who keep being born or is He present only for the old ones, does He keep sustaining only them?

जिज्ञासः नए माना जो त्रंत भट्टी करके आते हैं उनसे मिलने के लिए बाबा आते हैं।

बाबाः हाँ, जो नए-2 आते हैं उनके लिए बाबा है। ताकि वो उसको देखें, बुद्धि में धारण करें। याद की हुई चीज़, जो आँखों से देखी जाती है, वो याद आती है।

जिज्ञासुः जो पहली बार भट्टी करके आते हैं बाबा विशेष उन्हीं के लिए आते हैं। पुराने तो, पुरानों की सबकी इच्छा होती है ना मिलने की।

बाबाः पुरानों को ज्ञान मिला हुआ है ना। ज्ञान के आधार पर, मुरली में तो बोला है मुरली में से हर समस्या का समाधान बच्चों को मिल सकता है। लेकिन मुरली को ध्यान से सुनते ही नहीं हैं। तो हर समस्या का समाधान कैसे मिले?

जिज्ञासुः हर बच्चे की इच्छा होती है बाबा ने कैसेट में कहा यदि कोई बात होती है बाबा से पूछो, राय लो, श्रीमत लो, हर कर्म बाप से पूछ के करो।

बाबाः अमृतवेला करते हैं? अव्यक्त स्टेज का तो अनुभव ही नहीं करना चाहते। प्रयास ही नहीं करते।

Student: No, Baba comes to meet the new ones, i.e. those who have returned recently from *bhatti*.

Baba: Yes, Baba is for the new comers so that they could see Him and assimilate Him in their intellect. Something that is seen through the eyes is remembered.

Student: Baba comes especially for those who return from their *bhatti* for the first time. But all the old ones also wish to meet Him.

Baba: The old ones have received the knowledge, haven't they? On the basis of knowledge; it has been said in the murli that the children can get the solution to every problem through

the murli. But nobody listens to the murli carefully at all. So, how will they get solution for every problem?

Student: Every child wishes... for example Baba has said in the cassettes that if anything happens, you should ask Baba, seek His opinion, and seek His *shrimat*. You should ask the Father before performing every action.

Baba: Do they do *amritvela*? (The student is smiling.) ② You do not wish to experience the *avyakt stage* at all. You do not try at all.

जिज्ञासुः बाबा जब आते हैं तो बहुत ऐसी अवस्था में आते हैं दो घण्टा, चार घण्टा के लिए तो हर बच्चे की इच्छा होती है बाबा से कुछ पूछें।

बाबाः अब बच्चे तो 500 करोड़ होने हैं दुनियां में। सबको मुक्ति-जीवनमुक्ति का वर्सा मिलना है। तो 500 करोड़ बच्चों से बाबा कैसे मिलेंगे? अव्यक्त होके मिल सकते हैं या व्यक्त भाव में मिल सकते हैं? (जिज्ञासु - अव्यक्त।) वो तो अव्यक्त हो करके मिल सकेंगे। जो करेगा सो पाएगा।

Student: And when Baba comes, He generally comes only for two hours, four hours; every child wishes to ask Baba something.

Baba: Well, there are going to be five billion children in the world. Everyone is to receive the inheritance of *mukti* (liberation), *jiivanmukti* (liberation in life). So, how will Baba meet the five billion children? Can He meet in an *avyakt* form or in a *vyakt* (corporeal) form? (Student: *avyakt*.) He will be able to meet them only in an *avyakt* form. Whoever sows shall reap. ... (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 08.15-09.00

जिज्ञासुः बाबा, सूक्ष्म वतन के चित्र में ऊपर परमधाम जो दिखाया गया है उसमें ऊपर ज्योति बिन्दु शिव, उसके नीचे 3 आत्माओं का त्रिमूर्ति। फिर उसके बाद दो बिन्दु दिखाते हैं उसके नीचे चार-चार, उसके बाद जो 6 बिन्दी दिखाते हैं, बड़े आकार की दिखाते हैं। उसका अर्थ क्या है?

बाबाः धर्मपिताएं दिखाए हैं। राम-कृष्ण जो हैं वो स्वधर्मी हैं, और उनके अलावा और जो 6 धर्मपिताएं हैं वो विधर्मी हैं। उन विधर्मी धर्मपिताओं के... ग्रेट फादर्स दिखाए गए हैं। ग्रेट कैसे दिखाए जाएं तो बडी बिन्दी दिखा दी है।

Time: 08.15-09.00

Student: Baba, in the Supreme Abode that has been shown above in the picture of the subtle world there is the Point of light Shiva at the top; below Him are the three souls of the *Trimurty*. Then two points are shown below it. Below it a line of four points is shown twice and then six large-sized points are shown. What does it mean?

Email id: <u>a1spiritual@sify.com</u>
Website: www.pbks.info

Baba: The religious fathers have been shown. Ram and Krishna are *swadharmis*⁵; and apart from them the other six religious fathers are *vidharmis*⁶. Those *vidharmi* religious fathers... the *great fathers* have been shown. How can they be shown to be *great*? So, they have shown a bigger point.

समयः 09.03-10.20

जिज्ञास्ः बाबा, कृष्ण की सोल आठवां नारायण कैसे बनती है?

बाबाः कृष्ण की सोल आठवां नारायण नहीं बनता है। कृष्ण की सोल संगमयुग में आठवें नंबर पर प्रत्यक्षता रूपी जन्म लेता है। सात नारायण विधर्मी प्रत्यक्ष हो जाते हैं, उनका प्रत्यक्षता रूपी जन्म हो जाता है तब आठवां नंबर कृष्ण का प्रत्यक्षता रूपी जन्म होता है। जो 7 नारायण हैं वो आसुरी धर्म के हैं। पहले असुर प्रत्यक्ष होते हैं, जन्म लेते हैं या पहले देवता जन्म लेते हैं? देवताएं बड़े थे या असुर बड़े थे? असुर बड़े थे। तो वो पहले जन्म लेते हैं। वो है प्रत्यक्षता रूपी जन्म। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।)

Time: 09.03-10.20

Student: Baba, how does the soul of Krishna become the eighth Narayan?

Baba: Krishna's *soul* does not become the eighth Narayan. Krishna's soul is born in the form of revelation at the eighth *number* in the Confluence Age. Seven *vidharmi* Narayans are revealed [before him], their birth in the form of revelation takes place, then Krishna's birth in the form of revelation takes place at the eighth *number*. The seven Narayans belong to the demonic religions. Are the demons revealed, born first or are the deities born first? Were the deities older or were the demons older? Demons were older. So, they are born first. That is the birth in the form of revelation. (Student said something.)

दूसरा जिजासुः बोल रही है आदि की जो आत्माएं हैं वो तो देवताएं ही हुई ना। बाबाः आदि की आत्माएं? आदि में जो यज्ञ में थे, जो आदि में यज्ञ में थे वो यज्ञ में अभी भी बैठे हुए हैं वो देवताएं हैं या असुर हैं? (जिज्ञासु ने कहा-अभी देवतायें भी हैं, असुर भी है।) फिर?

Another student: She is saying that the souls of the beginning are anyway deities, aren't they?

Baba: Souls of the beginning? Those who were in the beginning of the *yagya*, those who were in the beginning of the *yagya* and are still sitting in the *yagya*; are they deities or demons? (Student said: there are deities as well as demons now.) Then?

समयः 10.20-12.25

⁵ Belonging to one's own religion.

⁶ Those who follow a religion opposite to the Father's religion.

जिज्ञासुः बाबा, जैसे भिक्तिमार्ग में दिखाया है रामायण में कि जब राम जल समाधि लेने के लिए जा रहे थे तो आधा अयोध्यावासी उनके साथ जाने लगे कि हे राम, जहाँ आप रहियेगा वहाँ हम भी आपके साथ रहेंगे। और आधा अयोध्यावासी नहीं मान रहे थे। तो अंत में फिर दिखाया कि राम जल समाधि लेने गए तो जो नहीं मान रहे थे वो भी जाकरके हे राम, हे राम, हमें माफ कर दीजिए। ... हमको भी माफ कर दीजिए। ले लीजिए, हम भी आपके शरण में जाएंगे। इसका बेहद में अर्थ क्या है?

बाबाः अरे परमधामवासी बन जाओ माना सब तो नहीं बन पाएंगे।

Time: 10.20-12.25

Student: Baba, for example, it has been shown in the path of *bhakti* in the Ramayana that when Ram was going to enter the state of *samaadhi*⁷ in water, half of the residents of Ayodhya started going with him saying: O Ram, we too will live wherever you stay. And half of the residents of Ayodhya were not willing [to do so]. So, in the end it was again shown that when Ram went to enter the state of *samaadhi* in the water, then those who were unwilling also sought his pardon saying: O Ram, O Ram, forgive us. Pardon us. Take us along with you, too. We will also stay under your shelter. Baba, what does it mean in an unlimited sense?

Baba: *Arey*, become the residents of the Supreme Abode means... everyone will not be able to become that.

जिज्ञासुः तो हम बाबा आपको इसलिए पूछे बाबा कि हम आपको जैसे राम के रूप में, अपने मन में रखे हैं कि बाबा हमारे राम हैं। बाबा हमारे कृष्ण भगवान हैं। बाबा हमारे शंकर भगवान हैं। बाबा हमारे लक्ष्मी-नारायण हैं। क्या बाबा हम तो यही रूप में आपसे हमेशा...

बाबाः माना राम है, कृष्ण है, सब है लेकिन शिवबाबा नहीं है।

जिज्ञासुः शिवबाबा तो है। सदा शिव।

बाबाः शिवबाबा को ही तो याद करना है। बिना शिवबाबा के तो राम-कृष्ण की कोई वैल्यू नहीं है।

जिज्ञास्ः सदा शिव तो आप हैं ही।

बाबाः जो सदा शिव है वो राम नहीं है। राम तो नीचे ऊपर होता रहता है। पूर्व जन्म में राम फेल हो गया। तो सदा शिव हुआ? नहीं। राम और कृष्ण ये तो बीच में याद आते हैं अड़ंगे।

Student: So Baba, I asked you this because we consider you as Ram in our mind thinking that Baba is our Ram. Baba is our God Krishna. Baba is our God Shankar. Baba is our Lakshmi and Narayan. Baba, we always [see] you in this form.

Baba: You mean to say, He is Ram, He is Krishna, and everything but not Shivbaba?

Student: He is indeed Shivbaba, [He is] *Sadaa Shiv* (forever benevolent).

Baba: It is Shivbaba whom we have to remember. There is no *value* of Ram and Krishna without Shivbaba at all.

Student: You are indeed *Sadaa Shiv*.

-

⁷ Samaadhi: profound meditation

Baba: The one who is *Sadaa Shiv* is not Ram. Ram goes up and down. Ram failed in the past birth. So, is He *Sadaa Shiv*? No. Ram and Krishna come to our mind in between as obstacles.

समयः 14.24-14.52

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में आया है कलकत्ता सबसे जास्ती गंदा मुल्क है।

बाबाः गंदा माना वेश्यावृत्ति कलियुग में सबसे जास्ती कलकत्ते में पनपी है। और कलकत्ता सबसे शुद्ध भी है। क्यों? क्योंकि कलकत्ते में ही भगवान आते हैं। रथ को कहाँ से पकड़ा? (जिज्ञास् - कलकत्ता।) कलकत्ते से पकड़ा।

Time: 14.24-14.52

Student: Baba, it has been mentioned in the murli that Calcutta is the dirtiest place.

Baba: Dirty means that prostitution has prospered the most in Calcutta in the Iron Age. And Calcutta is the purest place as well. Why? It's because God comes in Calcutta itself. Where was this chariot found? (Student: Calcutta.) It was found in Calcutta.

समयः 16.36-18.30

जिज्ञासुः इस्लामी तो महाकामी होते हैं। बौद्धी तो उससे फिर भी ठीक हैं। फिर भी इससे ज्यादा वैल्यु उसकी कैसे हो जाती है?

बाबाः दिखाई नहीं पड़ते हैं क्या? हिन्दुस्तान में बौद्धी तो बहुत घूमते रहते हैं। हट्टे-कट्टे, मोटे-ताज़े, चिकने-चुपड़े कि साधारण दिखाई देते हैं? उनके मुख पर पवित्रता झलकती है या नहीं झलकती है? झलकती है। पूछना क्या चाहते हो?

Time: 16.36-18.30

Student: The people of Islam are very lustful. The Buddhists are much better. Yet, why is their (the people of Islam) value more than them (the Buddhists)?

Baba: Don't they appear so? Lot of Buddhists keep wandering in India. On the basis of what do they appear to be well-built, healthy, shining and suave? Is purity visible on their faces or not? It is visible. What do you want to ask?

जिनास्ः इस्लामी बड़ा कैसे हो जाता है?

बाबाः प्योरिटी के आधार पर बड़े होते हैं? अगर प्योरिटी के आधार पर बड़े हों तो नारायण बड़ा होना चाहिए या लक्ष्मी बड़ी होनी चाहिए? (जिज्ञासु - प्योरिटी के आधार पे तो लक्ष्मी को कहा जाता है।) प्योरिटी के आधार पर लक्ष्मी बड़ी होनी चाहिए। नारायण में भगवान आता है। भगवान पतित में आता है या पावन को पकड़ता है? पतित को पकड़ता है। पतित तो सारी दुनियां है। लेकिन पतित होने के साथ-साथ सच्चाई भी होनी चाहिए। दुनियां में सबसे बड़ी चीज़ क्या है? सच्चाई। गाँड इज हुथ कहा जाता है। तो भगवान सच्चाई को पकड़ता है। पवित्रता को नहीं पकड़ता। पवित्रता को वैल्यू देता है लेकिन पकड़ता किसको है? सच्चाई को पकड़ता है। अगर सच्चाई लक्ष्मी में होती तो सत्य लक्ष्मी की कथा होनी चाहिए या

सत्यनारायण की कथा होनी चाहिए? सच्चाई नारायण में थी। सच्चाई लक्ष्मी में भी उतनी नहीं होती है जितनी नारायण में होती है।

Student: How are the people of Islam greater?

Baba: Is someone [considered to be] greater on the basis of *purity*? If anyone is greater on the basis of *purity* then should Narayan be greater or should Lakshmi be greater? (Student: On the basis of purity Lakshmi is said to be greater.) On the basis of *purity* Lakshmi should be greater. God comes in Narayan. Does God come in a sinful one or does He catch a pure one? He catches the sinful one. The entire world is sinful anyway. But along with being sinful there should be truth as well. What is the greatest thing in the world? Truth. It is said that *God is truth*. So, God catches the truth. God does not catch purity. He gives *value* to purity. But whom does He catch? He catches truth. Had there been truth in Lakshmi then should there be the story of *Satya* Lakshmi (true Lakshmi) or the story of *Satya* Narayan (true Narayan)? There was truth in **Narayan**. There is not as much truth in Lakshmi as in Narayan.

समयः 18.35-19.45

जिज्ञासुः बाबा, जो हमारे सिद्धांतों में श्री कृष्ण और राधा पहला राजकुमार, राजकुमारी कहा गया है और दूसरे वाले सिद्धांतों में आदम और हव्वा को कहा जाता है।

बाबाः क्या कहा जाता है?

जिज्ञासुः उन लोगों का पहला राजकुमार कहा जाता है।

बाबाः वो राजक्मार होते हैं? किस राजा के क्मार होते हैं?

जिज्ञासः पहले आदमी उसी को कहा ना।

बाबाः तो राजकुमार तो नहीं है ना। (जिज्ञासुः नहीं।) राधा-कृष्ण तो राजकुमार-राजकुमारी हैं। उनको पालने वाले कोई राजा हैं। जो एडम ईव हैं उनको पालने वाला कोई नहीं है। वो स्वयंभू हैं।

जिज्ञासुः ये लोग पहले आते या वो लोग पहले आते?

बाबाः अरे, पहले माँ-बाप पहले आयेंगे या पहले बच्चे आएँगे?

जिज्ञासुः पहले माँ-बाप।

बाबाः राधा-कृष्ण को माँ-बाप के रूप में दिखाते हैं या बच्चों के रूप में दिखाते हैं? (जिज्ञासु - बच्चों के रूप में।) कृष्ण की ज्यादातर पूजा बच्चे के रूप में होती है या नौजवान और बूढ़े के रूप में होती है? बच्चे के रूप में होती है।

Time: 18.35-19.45

Student: Baba, in our principles, Shri Krishna and Radha have been mentioned as the first prince and princess and in other principles Adam and Havva have been mentioned.

Baba: What is said (in other principles)?

Student: He is called the first prince in their [principle].

Baba: Are they prince [and princess]? They are prince [and princess] (children) of which king?

Email id: <u>a1spiritual@sify.com</u>
Website: www.pbks.info

Student: He himself is called the first man, isn't he?

Baba: So, they are not prince [and princess], are they? (Student: no.) Radha and Krishna are prince and princess. There are some king [and queen] who sustain them. Nobody sustains Adam and Eve. They are self- existent (*swayambhu*).

Student: Do these people come first or do those people come first? **Baba:** *Arey*, will the parents come first or will the children come first?

Students: The parents.

Baba: Are Radha and Krishna shown in the form of parents or in the form of children? (Student: In the form of children.) Is Krishna mostly worshipped in the form of a child or in the form of a youth and aged person? He is worshipped in the form of a child. ... (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 19.50-21.30

जिज्ञासुः बाबा, 2036 में जो विनाश होगा, तो उसमें बर्फ में आत्माएं दबेंगे, शरीर, तो स्त्री चोला और पुरुष चोला दोनों ही दबेंगे?

बाबाः बिल्क्ल।

जिज्ञासः उसमें वहाँ से जो आत्मा उतरेगी तो चोला परिवर्तन हो जाएंगे?

बाबाः नहीं। स्त्री चोला होगा वो पहले ही स्त्री चोला हो जाना होगा तो हो जाएगा। पुरुष चोला बनना होगा तो पहले ही हारमोन्स के आधार पर पुरुष चोला बन जाएगा स्वभाव संस्कार के आधार पर। यहाँ दुनियां में अभी भी देखा जाता है। जिनके हारमोन्स परिवर्तन हो जाते हैं जिनके स्वभाव-संस्कार पुरुष जैसे हो जाते हैं वो पुरुष चोले हो जाते हैं।

जिज्ञासुः वहाँ बर्फ में ही पुरुष चोला परिवर्तन होगा।

बाबाः पहले ही परिवर्तन हो (जाएगा)। अभी नहीं परिवर्तन हो रहे हैं क्या? अभी भी स्वभाव-संस्कार के आधार पर शरीर का परिवर्तन हो जाता है।

Time: 19.50-21.30

Student: Baba, during the destruction that will take place in 2036 the souls whose bodies will be buried under ice; will the bodies of both female and male be buried?

Baba: Definitely.

Student: Will the bodies change when the soul descends in it from there (the Supreme Abode)?

Baba: No. If a body is supposed to change into a female body, it will change well before [the soul enters the body]. If a body is supposed to turn into a male body, then it will become a male body on the basis of *hormones*, on the basis of the nature and *sanskaars*. It is observed even now in the world here that their *hormones* change, the bodies of those whose nature and *sanskaars* become like that of a male, change into male bodies.

Student: Will the bodies change into male bodies under the ice itself?

Baba: It will change before itself. Are they not changing now? Even now bodies change on the basis of nature and *sanskaars*.

दूसरा जिज्ञासुः चोला भी परिवर्तन होता है क्या?

11

बाबाः सबका थोड़े ही परिवर्तन होगा।

दूसरा जिज्ञासुः अभी किसी का हुआ है क्या ऐसे?

बाबाः अभी कैसे हो जाएगा? तुम अभी चेंज चाहते हो क्या? जल्दी है क्या? कोई मुसीबत पड़ी हुई है क्या जो छुटकारा पाना चाहते हो? ©

Another student: Does the body also change? **Baba:** It will not change in case of everyone.

Another student: Has it happened in case of anyone now?

Baba: How will it happen now? Do you wish for a change now? Is there any hurry? Is there

any problem that you wish to get rid of it (the male body)? ©

समयः 21.40-22.35

जिज्ञासः स्वर्ग के गेट तो माता खोलेंगे। तो स्वर्ग नई द्नियां तो दिल्ली में बनेगी?

बाबा: हांजी, हांजी।

जिज्ञास्: तो उसमें सभी देवताएं होंगे?

बाबाः देवताएं होंगे?

जिज्ञासः जो आत्मिक स्थिति में होते जाएंगे उनका....

बाबाः पहले स्त्रीयां आत्मिक स्थिति में टिकेंगी या पहले पुरुष टिकेंगे? पुरुष माना रुद्रमाला के मणके पहले आत्मिक स्थिति में टिकेंगे या स्त्रीयाँ पहले आत्मिक स्थिति में टिकेंगी? पहले दुर्योधन-दुःशासन आत्मिक स्थिति में टिकेंगे या जो कन्याएं-माताएं हैं वो आत्मिक स्थिति में टिकेंगी? (जिज्ञासु-कन्याएं-माताएं।) माताएं-कन्याएं पहले आत्मिक स्थिति में टिकेंगी। जो पहले आत्मिक स्थिति में टिकेंगी वो ही स्वर्ग के गेट खोलेंगी।

Time: 21.40-22.35

Student: Mothers will open the gate of heaven. So, heaven, new world will be established in

Delhi?

Baba: Yes, yes.

Student: So, everyone will be deities there?

Baba: Will there be deities?

Student: Those who will go on becoming constant in soul conscious stage...

Baba: Will the women become constant in soul conscious stage first or will the men become constant in soul conscious stage first? Will the men (*purush*), i.e. beads of the *Rudramala* (the rosary of Rudra) become constant in the soul conscious stage first? Will the Duryodhans and Dushasans become constant in the soul conscious stage first or will the virgins and mothers become constant in the soul conscious stage [first]? (Students: The virgins and mothers.) The mothers and virgins will become constant in the soul conscious stage first Only those who become constant in the soul conscious stage first will open the gate of heaven.

-

⁸ Villainous characters in the epic Mahabharata.

जिज्ञासुः परमधाम को इस सृष्टि पर उतार लेंगे तो जो बोला गया है वो तो माउंट आबू में बनेगा।

बाबा: हाँ, तो क्या ह्आ?

जिजास्: किस प्रकार की आत्मा वहाँ पर होंगी?

बाबाः अपवित्र आत्मायें। अपवित्र आत्माएं आत्मिक स्थिति में टिकने की प्रैक्टिस करेंगी।

Student: It is said, we will bring the Supreme Abode down to this world. So, that will be

formed in Mount Abu.

Baba: Yes, so what happened?

Student: What kind of souls will live there?

Baba: Impure souls. The impure souls will *practice* to become constant in the soul conscious

stage.

समयः 22.40-23.38

जिज्ञासुः एक क्वेश्चन था। मैं आत्मा हूँ। मुझे कैसे पता चलेगा मैं आत्मा हूँ। मैं कहाँ से आया मुझे पता नहीं है। मुझे कहाँ जाना है मुझे पता नहीं है।

बाबाः बताया नहीं गया अभी त्म्हें?

जिज्ञासः नहीं बताया गया है।

बाबाः इसका मतलब तुम निश्चयबुद्धि नहीं हुए हो अभी।

जिज्ञास्ः नहीं, बताया गया है।

बाबाः बताया गया है तो पूछ क्यों रहे हो? अभी तक तो पक्का निश्चय हो जाना चाहिए। जिज्ञासुः नहीं फिर भी मुझे पता नहीं वो रास्ता कौनसी है जिससे में वो रास्ता से जा सकूँ। बाबाः प्रैक्टिस। प्रैक्टिस मेक्स ए मैन परफेक्ट। अभ्यासेन तु कौन्तेय वैराग्येण च गृहयते। अभ्यास पक्का करो कि मैं आत्मा हूँ। मैं स्टार हूँ। मैं ये पांच तत्वों का शरीर नहीं हूँ। ये शरीर तो नष्ट हो जाएगा। मैं आत्मा तो फिर भी रहूँगी। मेरा अस्तित्व खलास नहीं हो सकता।

Time: 22.40-23.38

Student: I have a question. I am a soul. How will I know: I am a soul? I do not know the place from where I have come. I do not know where I have to go.

Baba: Have you not yet been told? **Student:** I have not been told.

Baba: It means that you have not become the one with a faithful intellect yet.

Student: No, I have been told.

Baba: If you have been told, why are you asking? You should have firm faith by now.

Student: No, still I do not know the path through which I can go [there].

Baba: Practice. Practice makes a man perfect. Abhyaasen tu kaunteya vairaagyen ca grahyate (O son of Kunti, you can achieve it by practice and through detachment). Practice firmly: I am a soul. I am a star. I am not this body made up of five elements. This body will be destroyed. I, the soul will still remain alive. My existence cannot end.

Email id: alspiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 23.40-24.49

जिज्ञासः बाबा कंचनकाया कब होगी?

बाबाः कंचनकाया अभी हो जाए। आत्मिक स्थिति में टिक जाओ। देहभान आने ही न पाए। वो ही तो समस्या है। वो ही समस्या तो वो भाई बता रहा है।

दूसरा जिज्ञास्ः बाबा, असली समस्या तो वही है।

बाबाः प्रैक्टिस पक्का डालो।

दुसरा जिजासः प्रैक्टिस हम करते हैं। हम दो बजे उठके प्रैक्टिस करते हैं। लेकिन हम उस जगह पर नहीं पह्ँच पा रहे हैं। हम आत्मदर्शन नहीं कर पाये।

बाबाः एकदम कैसे पहुँच जाओगे? 63 जन्मों के हिसाब-किताब एकदम छूमंतर काली हो जाएंगे? कूटना नहीं पड़ेंगे? 63 जन्मों की जो रील घूम रही है अभी पुरुषार्थी जीवन में... (जिज्ञास् ने कुछ कहा) तो रोज़ बाबा वाणी में स्नाते हैं ध्यान से स्नते ही नहीं। म्रली तो रोज़ पढ़ने के लिए बोला है या कभी-कभी पढ़ने के लिए बोला है? (जिज्ञास् - रोज़।) रोज़ पढ़ने रोज़ स्नने के लिए बोला है।

Time: 23.40-24.49

Student: Baba, when will we get *kancankaayaa* (a golden body / disease free body)?

Baba: You can get *kancankaayaa* right now. Become constant in the soul conscious stage. Body consciousness should not come at all. That is the very problem; that brother is talking about the same problem.

Another student: Baba, that itself is the main problem.

Baba: *Practice* firmly.

Another student: I practice. I wake up at 2 AM and practice. But I am unable to reach that stage. I am unable to see the soul.

Baba: How will you reach [that stage] immediately? Will the karmic accounts of the 63 births vanish immediately? Will you not have to settle [the karmic accounts]? The reel of the 63 births that is rotating now in the *purushaarthi* life⁹... (Student said something.) Yes, so Baba narrates in the vani everyday. You do not listen carefully at all. Have you been asked to read the murli everyday or have you been asked to read it occasionally? (Student: everyday.) You have been asked to read and listen [to the murli] everyday.

समयः 24.50-26.00

जिज्ञास्ः पवित्र वातावरण में प्रुषार्थ सबसे ज्यादा होता है बाबा।

बाबाः इसका मतलब सन्यासी जो हैं वो अच्छे प्रषार्थी हो गए। वो जंगल के वातावरण में रह करके प्रषार्थ करते हैं तो बढ़िया प्रषार्थी हो गए। कीचड़ में रह करके कमल फूल समान बनना वो किंग फ्लावर कहा जाता है। क्या? कीचड़ में रहे और कीचड़ में रह करके भी ऐसा पवित्र फूल बन जाए कि वो फूल कीचड़ में से निकाल करके, पानी में से निकाल करके और एक महीने तक स्वच्छ वातावरण में रख दो। वो म्रझाता नहीं है। तो किंग फ्लावर बनना है

⁹ Life of making spiritual effort.

या दूसरा फ्लावर बनना है? अच्छे में रह करके तो सब अच्छे हो जाते हैं। कोई बड़ी बात नहीं। लेकिन बुरे में रह करके अपने को भी अच्छा बनाना और दूसरों को भी अच्छा बनाना ये पावरफुल आत्मा की बात है या कमजोर आत्मा की बात है? पावरफुल बनना है या कमजोर बनना है? (सबने कहा - पावरफुल।) पावरफुल बनना है। खुद भी सुधरें और दूसरों को भी सुधारें। ऐसे नहीं अच्छा-अच्छा हप-हप, कडुवा-कडुवा थू-थू, भागो यहाँ से।

Time: 24.50-26.00

Student: We can make maximum *purushaarth* in a pure environment.

Baba: It means that the *sanyasis* are good *purushaarthi* [Does it mean:] they make *purushaarth* while living in the atmosphere of forests so, they are very good *purushaarthi*? [The one with the stage of] becoming like a lotus flower while living in the mire is called the *king flower*. What? One should remain in mire and even while living in mire he should become such a pure flower that even if that flower is removed from the mire, removed from the water, and kept in a clean environment for a month, it does not wilt. So, do you have to become a *king flower* or any other *flower*? Everyone indeed becomes good while living in a good environment. It is not a big deal. But is making our self as well as others good even while living among bad ones a task of a *powerful* soul or of a weak soul? Do you have to become *powerful* or weak? (Everyone said: powerful.) You have to become *powerful*. You yourself should reform and reform others too. It is not that you consume all the good things greedily and spit out the bitter things [and say:] run away from here. ... (to be continued.)

Extracts-Part-4

समयः 26.04-28.10

जिज्ञासुः बाबा, मुरली का प्वाइंट है कि जमुना के कण्ठे पर कृष्ण की नगरी होगी और छोटी नगरी होगी।

बाबा: हाँ, जी।

जिज्ञासु: और मुरली का प्वाइंट है कि लास्ट गाड़ी होगी, बाबा का बुलावा लास्ट में होगा। लास्ट सो फास्ट। तो जो ज्ञान में नहीं चलता, केवल स्न रहा है...

बाबाः ज्ञान में नहीं चलता तो स्न क्या रहा है?

जिज्ञास्ः जैसे घर में म्रली चलती है, यदि कैसट चलती है तो...

बाबाः उनका तो कोई लक्ष्य ही नहीं है। बस जैसे आदमी राह चलते गीत सुन लेता है, फिल्मी गीत, चारों तरफ बजते रहते हैं, ऐसे सुन लेता है। लक्ष्यबद्ध हो करके जो काम किया जाता है उसका फल निकलता है जल्दी। जिसका लक्ष्य ही नहीं है, ऐम आब्जेक्ट ही नहीं है उसको सुनाते रहो क्या फायदा? कोई असर नहीं पड़ता।

जिज्ञासुः वो बाबा जब महाविनाश होगा तो खतम हो जाएगा ना।

11

¹⁰ Those who make spiritual effort.

बाबा: हाँ जी।

जिज्ञास्: उसको भद्दी कराना ही है।

बाबाः नाक पकड़ करके भट्ठी कराने से कोई फायदा नहीं। उसके अपने अंदर की दिल की आस होनी चाहिए। अपने अन्दर की तमन्ना जगे फिर भट्ठी करने से फायदा है।

Time: 26.04-28.10

Student: Baba, there is a murli point that there will be Krishna's town on the banks of the river Yamuna and it will be a small town.

Baba: Yes.

Student: And there is [another] murli point that there will be a last train; Baba will call in the end. Those who come last will go fast. So, [what about] the one who is not following the path of knowledge, but is just listening?

Baba: If he is not following the knowledge, what is he listening to?

Student: Suppose [he listens to] the murli [class] or cassette that is played at home ...

Baba: He does not have any aim at all. Just as a person [simply] listens to a song, a film song while moving on his way; just as they are played all over, he listens [to the murli] in the same way. A task that is performed with a goal in the mind bears early fruit. What is the use of narrating [knowledge] to the one who does not have any *aim* and objective at all? It does not have any effect.

Student: Baba, it means, he will die in the great destruction, won't he?

Baba: Yes.

Student: He should definitely be made to undergo the *bhatti*.

Baba: There is no use of forcing anyone to do the *bhatti*. He should have a desire within, in his heart. He should have his own desire within, then there is some benefit in doing the *bhatti* [for him].

दूसरा जिज्ञासुः अभी सभी को एक ही चीज़ है कि विनाश होगा तो खाली भट्टी वाले बचेंगे तो जबरदस्ती अपने बह्-बेटा, बच्चा परिवार को कोर्स करा-करा करके भट्टी पे ले जा, ले जा करके पक्का बच्चा बन गया बाबा का बस। भट्टी किया माना समझते हैं पक्का हो गया ये। बाबाः बाबा ने तो बोल दिया तुम्हारा पूरा परिवार ज्ञान में चलेगा तो जबरदस्ती क्यों करना? जब बाबा ने बोल दिया, बाबा ने वरदान दे दिया कि तुम्हारा पूरा का पूरा परिवार ज्ञान में चलेगा। तो उतनी उतावली करने की क्या जरूरत है? सहज सहज होने दो।

Another student: Now everyone has only one thing [in their mind] that when destruction takes place, only those who have done the *bhatti* will be saved; so they are forcing their daughter-in-law, son, children and family to undergo the course and *bhatti* [and think:] "He has become a firm child of Baba. That's all". They think that once he has done the *bhatti*, he has become a firm [child of Baba].

Baba: Baba has said that your entire family will follow the knowledge, then why should you force them? When Baba has already said, when Baba has already given a boon that your entire family will follow the knowledge, then where is the necessity to hurry up? Let it happen in an easy manner.

समयः 28.13-29.54

16

जिज्ञासः विनाश हो जाएगा तो सब आत्माएं मर जाएंगी।

बाबाः आत्मा कहीं मरती है क्या?

जिज्ञासुः सब शरीर मर जाएंगे। बाबाः शरीर मर जाएंगे लेकिन

बाबाः शरीर मर जाएंगे लेकिन बाबा तो कहते हैं मैं आत्मा रूपी बिठैया और शरीर रूपी नैया दोनों का पार ले जाने वाला एक ही खिवैया हूँ। क्या? वो आत्मा को भी पार ले जाने वाला है और शरीर रूपी नैया को भी पार ले जाने वाला है। वो ऐसी नाव खेने वाला नाविक नहीं है जो नैया को डुबो दे और तुम्हारी आत्मा को उठाके ले जाए। इस विषय वैतरणी नदी कहो, संसार सागर कहो, विषय सागर कहो, इससे पार ले जाने वाला है। दोनों को पार ले जावेगा। ऐसा वैसा धोबी नहीं है कि शरीर रूपी कपड़े को फाड़ दे। तुम्हारा कपड़ा ज्यों का त्यों देगा वापस और इसी जन्म में देगा। वो धोबी तो कपड़े धोते हैं तो धोते हैं, नहीं तो फाड़ के रख देते हैं। और ये तो वंडरफुल धोबी है। ज्यों की त्यों धर दीनी चदरिया। वो तो कबीर ने गाया है। लेकिन ऐसा किया नहीं।

Time: 28.13-29.54

Student: When destruction takes place, then all the souls will die.

Baba: Does a soul ever die? **Student:** All the bodies will die.

Baba: The bodies will die, but Baba says: I am the only Boatman (*khivaiyaa*) who takes the passenger like soul and the boat like body across. What? He is the one who takes the soul as well as the boat like body across. He is not a boatman who sails the boat in such a way that he makes the boat (body) to sink and takes your soul across. Call it a river of vices (*vishay vaitarni nadi*), an ocean like world (*sansaar saagar*) or an ocean of vices (*vishay saagar*); He takes you across it. He will take both (body and soul) across. He is not an ordinary washer man (*dhobi*), who tears the cloth like body. He will return your cloth as it was and He will return it in this very birth. Those washer men either wash the clothes or tear it. And this one is a *wonderful* washer man. *Jyon ki tyon dhar diini cadariyaa* (he kept the cloth as it was). Kabir has **sung** that but he did not do so.

समयः 29.55-30.52

जिज्ञासुः बाबा, आत्मा में जंक क्या है?

बाबाः सुई होती है - सुई। सुई से कपड़ा सीलते हैं ना। तो सुई के ऊपर जंक चढ़ जाती है। (किसीने कुछ कहा।) हाँ। मिट्टी के तेल में, घासलेट में डाल करके उसको घिसते हैं तो जंक निकल जाती है। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ। जंक चढ़ी हुई होगी तो मैगनेट उसको चिपकाएगी नहीं। चुंबक। जंक उतर जाएगी तो अपनी तरफ खींच लेगी। ऐसे ही मैगनेट है शिवबाबा।

जिज्ञासुः जंक कैसे छुड़ायेंगे बाबा?

बाबाः शिवबाबा आया ह्आ है ना जंक छुड़ाने के लिए।

Time: 29.55-30.52

wail id: <u>alspiritual@sify.com</u>
Website: <u>www.pbks.info</u>

Student: Baba, what is the rust (*junk*) in a soul?

Baba: There is a needle. Needles are used to sew clothes, aren't they? So, the needle is covered by rust. (Someone said something.) Yes. It is put into kerosene and rubbed; then the rust is removed. (Student said something.) Yes. If it is covered with rust, the *magnet* will not stick to it. If the rust is removed then it (the magnet) will pull it (the needle) towards itself. Similarly Shivbaba is a *magnet*.

Student: Baba, how can we remove the rust?

Baba: Shivbaba has come to remove the rust, hasn't He?

समयः 30.53-31.25

जिज्ञासः 100 वर्ष का जो संगमय्ग है बाबा 36 तक प्रुषार्थ चलता रहेगा?

बाबाः जो कमजोर पुरुषार्थी होंगे वो 36 तक भी चलते रहेंगे, पुरुषार्थ करते रहेंगे। जो पावरफुल होंगे वो पहले ही तैयार हो के दूसरों को चलायेंगे। अपने लिए पाना था सो पा लिया अब कछु पानो नाहि। तो फायदे में कौनसे रहेंगे? जो पहले ही पावरफुल बन जाएं वो ज्यादा पावरफुल हो जाएंगे।

Time: 30.53-31.25

Student: Baba, the Confluence Age is for 100 years; will the *purushaarth* continue till 2036? **Baba**: Those who are weak *purushaarthis* will continue to make *purushaarth* even till 2036. And those who are *powerful* will become ready before itself [and] enable others to make *purushaarth*. As for themselves, [they will think:] we have got whatever we wanted; now there is nothing more to get. So, who will be in profit? Those who become *powerful* beforehand will become more *powerful*.

समयः 31.27-33.26

जिज्ञासुः अच्छा बाबा, एक ऐसी माता है जो दो बार भट्टी कर चुकी है। उनके 2-3 बच्चे हैं, 5 साल के, 8 साल के, 11 साल के और उनके पित जो हैं इनके ज्ञान के बिल्कुल विरुद्ध हैं। बार-बार उसको, ऐसे ज्ञान से मारने के हिसाब से ही कई बार प्रयास करते। ऐसे ज्ञानवर बुद्धि के है। कई बार कुदाल से काटने गए। तो माता चाहती हैं हम पूरी तरह से बाबा के यहाँ समर्पित। बच्चे भी सेवा में लग जाएं, जो भी सेवा करें, चाहे खेत हो...। उसके लिए बाबा क्या कहेंगे?

बाबाः क्या कहेंगे?

जिज्ञासुः उसकी सुरक्षा के लिए बाबा कुछ उपाय बताएंगे।

बाबाः अपने-अपने कर्मबंधन काटने पड़ेंगे। छोड़ के भागेंगे तो और ज्यादा बढ़ जाएंगे।

जिज्ञासुः वो तो बता रही है कि हमें जान से ही मार डालेगा तो हम क्या करेंगे?

बाबाः आत्मा कहीं मरती है क्या? दूसरा जन्म ले करके फिर पुरुषार्थ करेगी।

जिज्ञासुः अभी आत्मा में तो वो टिकी नहीं है।

बाबाः तो कहो उसे कि तुम ज्ञान में चलती हो तो आत्मा में टिको। ज्यादा दुःख पड़ता है तब भी अगर कोई प्रुषार्थ नहीं करता, तो फिर कब करेगा?

दूसरा जिजासु: पुरुषार्थ करते हैं। नहीं दु:ख होता है तो पुरुषार्थ नहीं करते हैं।

बाबा: दुःख में तो और ज्यादा याद आना चाहिए। (दूसरा जिज्ञासु: आना चाहिए।) हाँ, तो दुःख में तो ये कहे कि हमसे नहीं हो रहा पुरुषार्थ, इतना दुःख हमारे लिए हो गया।

Time: 31.27-33.26

Student: *Acchaa* Baba, there is a mother who has done the *bhatti* twice. She has two-three children of age five years, eight years, and 11 years. And her husband is completely against this knowledge. He repeatedly tries to kill her. He has such an animal like intellect. Many times he tried to kill her with an axe. So, the mother wants to surrender to Baba completely. [She wants that] the children should also become engaged in service; let it be any service, whether it is to work on the field. What will Baba say about this?

Baba: What will He say?

Student: Baba will suggest some solution for her safety.

Baba: Each one will have to settle his own karmic bondage. If you run away leaving them, they will increase all the more.

Student: She is asking: What will I do if he kills me?

Baba: Does a soul ever die? It will be reborn and make *purushaarth* once again.

Student: She hasn't become constant in the soul [conscious stage] now.

Baba: So, tell her that when you follow the path of knowledge, become constant in soul [consciousness]. If someone does not make *purushaarth* even when he faces more sorrow, then when else will he make *purushaarth*?

Another Student: She makes *purushaarth*. [But] she does not make *purushaarth* when she does not experience sorrow.

Baba: One should remember [God] more in sorrow. (Another student: they should [remember].) Yes, if someone says in sorrow: I am unable to make *purushaarth*; I am experiencing so much sorrow.

दूसरा जिज्ञासुः आजकल बाबा ये ही पार्ट चल रहा है। भिक्तिमार्ग में फिर भी दुःख पड़ने से खूब व्रत, पूजा-पाठ करते थे और एडवांस में आ गए तो दुःख में आ गए, ज्ञान छोड़ के भाग जाते हैं। कोई शादी करते हैं, कोई दुकान करते हैं, कोई सर्विस करते हैं, कोई डिससर्विस करते हैं दुःख बढ़ने पर।

बाबाः भाग नहीं जाते हैं माया उनको हरा देती है।

Another student: Baba, nowadays this very kind of *part* is going on. In the path of *bhakti* people used to still observe a fast, worship a lot when they experienced sorrow and after entering the advance [knowledge], when someone becomes sorrowful, they run away leaving the knowledge. Some get married, some open a shop, some do service, and some do disservice when the sorrow increases.

Baba: They do not run away; Maya defeats them.

समयः 33.28-33.55

जिज्ञासः अच्छा बाबा, ब्रहमाण्ड का भी विस्तार और सार होता है क्या?

बाबाः ये जो पृथ्वी है इसका विस्तार और सार होता है कि नहीं? (जिज्ञासु - हाँ।) तो ऐसे ही सारी दुनियां का होता है। दुनियां की हर चीज़ सार में टिकती है। फिर विस्तार में भी जाती है।

Time: 33.28-33.55

Student: Baba, is there expanse and essence of the brahmaand (universe) as well?

Baba: Does this Earth expand and shrink or not? (Student: yes.) Similar is the case with the entire world. Everything in the world stabilizes in the essence. Then it goes into expansion as well. ... (to be continued.)

Extracts-Part-5

समयः 33.58-36.00

जिज्ञासः बिहार का बेहद अर्थ क्या होता है?

बाबाः हार और बिहार। हार और बिहार। हार-बिहार।

जिज्ञासुः हार माने गले का हार?

बाबाः गले का हार भी।

दसरा जिजासः वो बिहार से है ना गले का हार बोलता है अपने को।©

बाबाः वो बिहार माना विशेष हार।

तीसरा जिज्ञासुः मुरली का प्वाइंट है बाबा कि बिहार वाला बहार लाएगा। तो कैसे लाएगा?

बाबाः लाएगा। लाएगा तो लाएगा ही।

तीसरा जिज्ञासुः ठीक है लाएगा बाबा। हम लोग मार खा-खा करके बाप को फालो करने लगे हैं।

बाबाः फिर? अभी बहार सब धूल में मिली हुई है। सारे बिहारी आल इंडिया में मेहनत मजदूरी करने के लिए जाते हैं तब कहीं पेट भर पाते हैं बाल बच्चों का। तो बहार तो उनकी सारी खत्म हो गई। झोंपड़ी में जाके रहते हैं। मेहनत करते हैं।

Time: 33.58-36.00

Student: What is meant by Bihar (a state in eastern India) in an unlimited sense?

Baba: Haar and Bihar. Haar and Bihar. Haar-Bihar.

Student: Does *haar* mean necklace? **Baba:** It means necklace as well.

Another student: He belongs to Bihar; so he calls himself a necklace. ©

Baba: That Bihar means special necklace (*vishesh haar*).

A Third student: Baba, there is a murli point that those from Bihar will bring about *bahaar* (splendor). So how will it bring that?

Baba: It will bring [splendor]. If it is to bring [splendor], it will definitely bring it.

A Third student: Alright Baba, it will bring [splendor]. We have started to follow the Father despite suffering beatings.

Baba: Then? Now the entire splendor has vanished into dust. All the *Bihaaris* (people of Bihar) go *all* over *India* to work hard as laborers. Only then are they able to feed their children. So, their entire splendor has vanished. They live in huts. They work hard.

दूसरा जिज्ञासुः प्रैक्टिकल में दिख रहे हैं सारे बिहार वाले कितने-कितने दूर से आए हैं देखिये अभी दो-चार घण्टे के लिए।

बाबाः दुनिया गुलर्छर्र उड़ाती है और बिहार वाले मेहनत करते हैं। सदा एक सा समय थोड़े ही किसी का रहता है?

जिज्ञासः बिहार में कहीं मिनी मध्बन बनेगा बाबा?

बाबाः वो तो सब जगह बनेगा।

जिज्ञासुः हरेक स्टेट में तो मिनी मधुबन देख पाते हैं पर बिहार में नहीं।

बाबाः क्यों? झारखण्ड में कहाँ है? उड़ीसा में कहाँ है? मिनिमधुबन तो वहीं बनेगा, बनता है जहाँ ज्यादा धनाढ्य लोग होते हैं। चलो एक मकान ईश्वरीय सेवा के लिए दे दिया। वहाँ अपने खाने के लिए रोटी नहीं है। मकान कौन बनाके दे?

Another student: Look, it is visible in practice that all the people of Bihar have come from far off place for just two to four hours.

Baba: The world lives in a high (luxurious) life and those from Bihar work hard. Time is not always the same for everyone.

Student: Baba, will a *minimadhuban* be established anywhere in Bihar?

Baba: That will be established everywhere.

Student: *Minimadhubans* are visible in every state (in India) but not in Bihar.

Baba: Why? Is there any *minimadhuban* in Jharkhand? [Is there any *minimadhuban*] in Orissa¹¹? *Minimadhuban* is established only at a place where there are wealthy people. [They think:] OK, we can give one house for the Divine (*Iishwariya*) service. There (in states like Orissa, Bihar and Jharkhand) people don't have enough to feed themselves; who will build a house and give [for being used as a *minimadhuban*]?

समय: 36.46-37.04

जिज्ञास्: बाबा, सतय्ग कौन लायेंगे?

बाबा: सतयुग? सच्चे बच्चें लायेंगे। सत्त बच्चें होंगे सो लायेंगे सतयुग। झूठे थोड़े ही लायेंगे। सत्त बाप है सो सत्त बाप के बच्चें भी कैसे चाहिए? (किसीने कहा-सत्त।) सत्त बच्चें होंगे सो सतय्ग लायेंगे।

-

¹¹ Jharkhand and Orissa are states of India.

Time: 36.46-37.04

Student: Baba, who will bring *Satyug* (True Age/Golden Age)?

Baba: *Satyug*? The true children will bring it. Those who are the true children will bring *Satyug*. The false ones will not bring it. When the Father is true, how should the children of the true Father also be? (Someone said: true.) Those who are the true children will bring *Satyug*.

समयः 37.05-37.17

जिज्ञासः बाबा, मुरली का प्वाइंट है कि बाप जादूगर है तो बच्चे भी जादूगर।

बाबाः हाँ।

जिज्ञास्: क्या ऐसा होगा?

बाबा: और क्या? प्रानी द्निया को नई बना देना ये जाद्गरी नहीं हई?

जिज्ञास्: हाँ, बाबा।

Time: 37.05-37. 17

Student: Baba, there is a murli point that the Father as well as the children are magicians.

Baba: Yes.

Student: Will it happen so?

Baba: Why not? Is it not magic to transform the old world into a new one?

Student: Yes, Baba.

समयः 37.20-40.49

जिज्ञासः बाबा को नीलकण्ठ कहते थे।

बाबाः कहते हैं। कहते थे नहीं।

जिज्ञास्ः नीलकण्ठ को जब विष पिलाया तब नीलकण्ठ बना होगा क्या बाबा?

बाबा: हाँ।

जिज्ञासु: तो कब पिलाना शुरु किया था संगमयुग में?

बाबाः अभी अमृत कौन पीता है?

जिज्ञासुः अभी अमृत हम लोग पीते हैं, ब्राहमण लोग पीते हैं।

बाबाः तो विष कौन? और दुनिया में जो विष निकल रहा है वो कौन पी रहा है? दुनिया में जो ग्लानि निकल रही है वो ग्लानि का विष कौन पीता है? (जिज्ञासु ने कहा - दानव लोग विष पीते थे और बाबा को भी पिलाते थे।) बाबा को तो सब विष ही पिलाते हैं। बच्चों के पास विष है कि अमृत है? बच्चों के पास क्या चीज़ है? (सबने कहा - विष।) तो बच्चे क्या पिलाएंगे? (कइयों ने कहा-विष पिलायेंगे।) तो बच्चे बाबा को विष ही पिलाते हैं। बाबा के पास अमृत है तो बच्चों को अमृत पिलाता है।

Time: 37.20-40.49

Student: Baba was called Neelkanth¹².

Baba: He is called [Neelkanth]. It is not that he was called that.

Student: Baba, when Neelkanth was offered poison, would he have become Neelkanth at that time? So, when did they start giving him [poison] to drink in the Confluence Age?

Baba: Who drinks the nectar now?

Student: Now we, the Brahmins drink nectar.

Baba: Who [drinks the] poison? And who drinks the poison that is emerging in the world? Who drinks the poison of defamation that is emerging in the world? (Student said: the demons drank poison and they made Baba drink the same.) Everyone gives Baba just poison to drink. Do the children have poison or nectar? What do the children have? (Everyone said: poison.) So, what will the children offer him to drink? (Many said: they will give him poison to drink.) So, the children offer only poison to Baba to drink. Baba has nectar; so He makes the children drink nectar.

जिज्ञासः वो नीलकण्ठ कैसे बने?

बाबाः ऐसे ही बने कि विष अन्दर नहीं जाने देता। जो बच्चों का अकल्याण हो जाए। बुद्धि सोने की बनी रहती है। अगर वो विष ऊपर चढ़ जाए बुद्धि की ओर तो जो ज्ञान निकलता है बुद्धि से वो कैसा हो जाएगा?

जिज्ञासु: भिक्तिमार्ग में तो उसको नीलकंठ कहा करके उसका स्वरूप भी पित्रका में जो पीछे रख दिया वो बह्त काला, नीला रंग दे दिया ना।

बाबा: तो क्या ह्आ? गलत रंग दिया क्या?

जिज्ञास्: वो देखने के लिये रखा है उन लोगों ने कि भयानक दिखाई दिया।

बाबा: वो तो भिक्तिमार्ग में तो सब स्थूल बातें दिखाते हैं। हैं तो सारी ज्ञान की सूक्ष्म बातें।

जिज्ञासुः वो भाई का रूप सूक्ष्म में भी होगा?

बाबा: किसका सूक्ष्म रूप होगा?

जिज्ञासः नीलकण्ठ की जो रूप है नील रूप वो सूक्ष्म में भी होगा?

बाबाः वो तो कण्ठ ही नीला है। सारा शरीर नीला नहीं है। ऐसी ज्ञान की वाणी सुनाता है जिससे सारे संसार का कल्याण हो जाता है विनाश होने के बाद। गूंजी विनाश की वाणी फिर भी कितनी कल्याणी। ये ऐसा कण्ठ है जो विषैली वाणी सुनाता है और विषैली वाणी जो बच्चे होते हैं भगवान के आत्मिक स्थिति में रहने वाले उनको वो अमृत बन जाती है। और जो पवित्र नहीं रहते हैं उनके लिए विषैली बन जाती है।

Student: How did he become Neelkanth?

Baba: He became [Neelkanth] just like this, he does not allow the poison to go inside which would bring harm to the children; the intellect remains golden. If that poison goes up towards the intellect, how will the knowledge that emerges from the intellect become?

Student: In the path of *bhakti* as he is called Neelkanth his form is also very dark, blue [like] in the poster kept behind, isn't it?

-

¹² The one having a blue throat; a title of Shankar.

Baba: So, what happened? Have they kept something wrong?

Student: They have kept it in order to show that it looks ferocious.

Baba: In the path of *bhakti* they show everything in a physical form. All of them are actually

the subtle topics of knowledge.

Student: Will there also be a subtle form of that brother?

Baba: Who will have a subtle form?

Student: Will the blue form of Neelkanth also be in a subtle form?

Baba: [In case of Neelkanth,] only the throat is blue. The entire body is not blue. He narrates such versions of knowledge that it brings benefit to the entire world after destruction. The sound of destruction reverberated, yet it was so beneficial. It is such a throat (*kanth*) which narrates poisonous versions and those poisonous versions become nectar for the children of God who remain in soul conscious stage. And it becomes poisonous for those who do not remain pure.

जिज्ञासुः बाबा नीलकण्ठ कब से बनना शुरु ह्आ?

बाबाः नीलकण्ठ कब विष्णु बनना शुरु ह्आ?

जिज्ञासुः ये संगमयुग पर। संगमयुग में तो नहीं बना होगा।

बाबाः क्यों? नहीं बना तो ये विष्णु कहाँ से आ गया? ब्रहमा सो विष्णु बनता है कि नहीं? ब्रहमा सो विष्णु बनता है या नहीं बनता है?

जिज्ञास्ः अभी तक बनता ही होगा?

बाबाः अभी विष्णु बन गया? (जिज्ञासुः नहीं-नहीं।) हाँ, तो जब तक विष्णु नहीं बनता है तब तक बीच में क्या है? शंकर है। शंकर माने मिक्स। उसमें ब्रहमा भी मिक्स है, शंकर भी मिक्स है, शिव भी मिक्स है।

Student: Baba, since when did he start becoming Neelkanth?

Baba: [Are you asking that] since when did Neelkanth start becoming Vishnu?

Student: In this Confluence Age. He will not have become that in the Confluence Age, will he?

Baba: Why? If he did not become that [in the Confluence Age] then where did this Vishnu come from? Does Brahma become Vishnu or not? Does Brahma become Vishnu or not?

Student: Would he have been becoming that till now?

Baba: Has he become Vishnu now? (Student: no, no.) Yes, so until he becomes Vishnu, what is he in between? He is Shankar. Shankar means *mix*. Brahma, Shankar as well as Shiva is mixed in him. ... (to be continued.)

Extracts-Part-6

समयः 40.47-40.57

जिज्ञासुः मुरली में बाबा आया है कि विष्णु के दो रूप हैं।

बाबाः हाँ। एक संगमयुगी और एक सतयुगी।

Time: 40.47-40.57

Student: Baba it has been mentioned in the murli that there are two forms of Vishnu.

Baba: Yes. One [form is of] the Confluence Age and the other [form is of] the Golden Age.

समयः 40.57-41.44

जिज्ञास्ः बाबा, सतय्गी कृष्ण अपने जीवन के 18 वर्ष की उम्र में गद्दी संभालता है क्या?

बाबाः सतय्गी कृष्ण?

जिज्ञास्ः हाँ, जी। 18 साल की उम्र में गद्दी संभालता है क्या?

बाबा: कौन?

द्सरा जिज्ञास्: सतय्गी कृष्ण।

बाबाः सतय्गी कृष्ण सतय्ग में होगा या संगमय्ग में होगा?

जिजास्ः सतय्ग में होगा।

बाबाः फिर? संगम कहाँ से आ गया उसमें?

जिज्ञास्ः अपना राज्य तो लेगा ना।

बाबाः अपना राज्य, पहले जन्म लेगा तब राज्य लेगा कि पहले ही राज्य ले लेगा?

जिज्ञासुः जन्म लेने के बाद।

बाबाः तो जन्म सन् 36 के बाद लेगा या पहले लेगा?

जिज्ञासुः 36 में ही लेगा ना।

बाबाः 36 में लेगा। बस।

जिज्ञासः लेने के बाद फिर कितने साल में लेगा राज्य?

बाबाः अरे, 18-20 साल का होगा तभी तो गद्दी लेगा कि पहले ही ले लेगा?

Time: 40.57-41.44

Student: Baba, does the Golden Age Krishna ascend the throne when he is 18 years old in

his life?

Baba: The Golden Age Krishna?

Student: Yes. Does he ascend the throne at the age of 18 years?

Baba: Who?

Another Student: The Golden Age Krishna.

Baba: Will the Golden Age Krishna be in the Golden Age or in the Confluence Age?

Student: He will be in the Golden Age.

Baba: Then? Where did Confluence Age come in it? **Student:** He will obtain his kingship, will he not?

Baba: Will he obtain his kingship when he is born or will he obtain the kingship first?

Student: After being born.

Baba: So, will he be born after the year 2036 or before that?

Student: He will be born in 2036 itself, won't he?

Baba: He will be born in 2036. That is all.

Student: How many years after [being born] will he obtain kingship?

Baba: Arey, will he ascend the throne only when he grows 18-20 years old or before that?

समयः 41. 50-42.53

जिज्ञासुः बाबा, 16-17 में लार्ड कृष्ण के रूप में जब प्रत्यक्ष हो जाएंगे तब से पृथ्वी में उथल-प्थल श्रु हो जाएगा?

बाबाः उथल-पुथल जब होगी तो विनाश की निशानी हो गई। और विनाश होता ही तब है जब स्थापना हो जाए। स्थूल स्थापना होगी तो स्थूल में विनाश भी होगा। स्थापना का मतलब है स्थूल में संगठन चाहिए। ऐसा संगठन जहाँ कोई भी विकारी पाँव भी न रख सके। जब ऐसा संगठन बनेगा ब्राह्मणों का तो विनाश भी शुरु हो जाएगा।

जिज्ञासुः लार्ड कृष्ण के रूप में बाबा जब प्रत्यक्ष हो जाएंगे तब माउंट आबू में तो वहाँ एडवांस जो है...।

बाबाः लार्ड कृष्ण जो है वो माउंट आबू में प्रत्यक्ष नहीं होता। कहाँ प्रत्यक्ष होता है? जमुना के कण्ठे पर।

Time: 41. 50-42.53

Student: Baba, when Baba is revealed as Lord Krishna in 16-17, will the upheaval begin in the Earth from that time?

Baba: Upheaval is an indication of destruction. And destruction takes place only when the establishment takes place. When the establishment takes place in a physical form, then the destruction will also take place in a physical form. Establishment means that there should be a gathering in a physical form, a gathering where no vicious person can even step in. When such a gathering of Brahmins is formed, then the destruction will also begin.

Student: When Baba is revealed in the form of Lord Krishna, then in Mount Abu the advance [party]....

Baba: Lord Krishna is not revealed in Mount Abu. Where is he revealed? On the banks of the [river] Yamuna.

समयः 44.00-45.27

जिज्ञासुः बाबा, आत्मा तो सभी में होती है। जैसे छोटा-छोटा कीड़ा, और वृक्ष सबमें आत्मा होता है। मनुष्य में भी आत्मा होता है ना। तो सबका आत्मा परमधाम ही जाएगा, जैसे ...वृक्ष, है, जानवर है ?

बाबाः आत्माएं आत्माएं तो सब आत्माएं हैं लेकिन कोई आत्माएं जड़त्वमयी बुद्धि वाली। और कोई आत्माएं ज्यादा चैतन्य बुद्धि होती हैं। तो जितनी बुद्धि तीक्ष्ण होगी उतनी वो आत्मा पृथ्वी से परे की ओर परमधाम में रहेगी। और जो आत्मा जितनी मंदबुद्धि होगी उतनी पृथ्वी के नजदीक रहेगी।

जिज्ञासुः पर वृक्ष जो है वो सब भी एक दिन परमधाम तो जाएंगे ना बाबा।

बाबाः जाएंगे परमधाम लेकिन स्टेज तो ऊँची नीची होगी ना। कीड़े-मकोड़े, उनमें बुद्धि ज्यादा होती है या मन्ष्य में बुद्धि ज्यादा होती है?

जिज्ञास्ः मन्ष्य में।

बाबाः तो मनुष्य की आत्मा दूर रहेगी कीड़े-मकोड़ों की आत्मा से। कीड़े-मकोड़ों की आत्मा पृथ्वी के नज़दीक रहेगी। जिज्ञासुः और सतयुग में कीड़ा-मकोड़ा कुछ भी नहीं होता, लेकिन द्वापरयुग, कलियुग से कैसे.... वायब्रेशन से आता है या...?

बाबाः जहाँ से विकार आते हैं वहाँ से विकारों के साथ-साथ दुःख-दर्द भी आ जाते हैं।

Time: 44.00-45.27

Student: Baba, everyone has a soul. For example, small insects, plants, trees all have souls. Human beings too have souls, don't they? So, will everybody's soul, for example, plants, trees, animals go to the Supreme Abode itself?

Baba: Everyone is a soul indeed, but some souls have an inert intellect and some souls have a more living intellect. So, the sharper someone's intellect is, the farther that soul will be from the Earth in the Supreme Abode. And the more a soul has a dull intellect, the closer it will be to the Earth.

Student: But Baba all these will also go to the Supreme Abode one day, will they not?

Baba: They will go to the Supreme Abode, but the *stage* will certainly be high and low, will it not? Do insects and spiders have more intellect or do the human beings have more intellect? **Student:** The human beings.

Baba: So, the souls of the human beings will be far off from the souls of insects and spiders [in the Supreme Abode]. The souls of insects and spiders will be close to the Earth.

Student: And there are no insects and spiders in the Golden Age, but how [do they emerge] from the Copper and Iron Ages? Do they emerge due to the vibrations or...?

Baba: Ever since the vices emerge, sorrow and pain also emerge along with the vices.

समयः 45.29-46.20

जिज्ञासुः बाबा, माउंट आबू एडवांस पार्ट कब से जाना श्रु करेगी?

बाबाः अभी नहीं है?

जिज्ञासुः वहाँ माउंट आबू में ?

बाबाः माउंट आबू में अभी एडवांस पार्टी वाले नहीं जाते हैं?

जिज्ञासुः जाते हैं लेकिन गुप्त रूप में हैं अभी ना।

बाबाः तो फिर क्या बात? गुप्त से धीरे-धीरे.... बच्चा पहले गुप्त होता है कि पहले प्रत्यक्ष हो जाता है?

जिज्ञास्ः पहले ग्प्त होता है।

बाबाः तो ऐसे ही एडवांस पार्टी पहले गुप्त बाद में प्रत्यक्ष।

जिजासः प्रत्यक्ष से कब होगी?

बाबाः जब नई दुनियां प्रत्यक्ष होगी तो एडवांस पार्टी भी प्रत्यक्ष हो जायेगी।

दूसरा जिज्ञासुः जैसे अभी नेपाल प्रत्यक्ष है। ... यहाँ पे... मन को खुशी हो गयी कि नेपाल वाले प्रत्यक्ष बाबा को कर दिये।

बाबा: देखो!

दूसरा जिज्ञासु: इसी तरह से मध्बन में भी प्रत्यक्ष होगा।

बाबा: हाँ, प्रत्यक्ष हो जाएगा।

Time: 45.29-46.20

Student: Baba, when will the advance party start going to Mount Abu?

Baba: Is it not there now? **Student:** There, in Mount Abu...

Baba: Don't the people of the advance party go to Mount Abu now? **Student:** They go, but now they are in a hidden form, aren't they?

Baba: Then what is the matter? From being hidden, gradually... is a child hidden or is it

revealed at first?

Student: It is hidden at first.

Baba: So similarly, the advance party is hidden at first and will be revealed later.

Student: When will it be revealed?

Baba: (Baba is laughing.) When the new world is revealed, then the advance party will also

be revealed.

Another Student: For example, now Nepal is revealed. ... Here... The mind is feeling happy

[thinking] that the people of Nepal have revealed Baba.

Baba: Just see!

Another Student: Similarly, He will also be revealed in Madhuban.

Baba: Yes, He will be revealed. ... (to be continued.)

Extracts-Part-7

समयः 46.26-50.08

जिज्ञासुः नया संगठन चल रहा है बाबा, एन.एस., उसमें जो बहन गई है, उनसे थोड़ा बात करना चाहते हैं बाबा।

बाबाः बात-वात तो नहीं होगी।

जिज्ञासुः नहीं होगी?

बाबाः नहीं।

जिज्ञासुः पहले-पहले गई है एन.एस.।

बाबाः घर ब्लाना चाहो तो घर चली जाएगी।

जिज्ञासुः घर पे तो नहीं ब्लायेंगे बाबा, लेकिन उसकी माता चाहती है कि एक बार बात हो।

बाबाः हाँ, तो बता दो उसको। माता अगर चाहती है तो उसको बता दो, ऊपर से नीचे उतर आएगी हमेशा के लिए।

जिज्ञासुः नीचे उतारना नहीं है बाबा।

बाबाः बता दो।

Time: 46.26-50.08

Student: Baba, the new gathering, NS that has been formed; I want to talk to a sister who

has gone there.

Baba: You cannot talk [to her].

Student: Can't I?

Baba: No.

Student: She went to the NS in the beginning.

Baba: If you wish to call her back home, she will go home.

Student: Baba, we will certainly not call her home. But her mother wants to talk to her once. **Baba:** Yes, so, tell her. If the mother wishes to speak [to her], tell her that she (the daughter) will descend from above permanently.

Student: Baba, we don't want to bring her down.

Baba: Tell her.

जिज्ञास्ः इज़ाज़त मांगी थी।

बाबाः अब एक को इज़ाज़त दें या सब को दें इज़ाज़त?

जिज्ञासः ये तो बाबा ही ना जानेंगे।

बाबाः बाबा क्या जानेंगे? पार्शियालिटी करनी है या सबके साथ एक जैसा बर्ताव करना है?

जिज्ञास्ः सबके साथ एक जैसा करना है।

बाबाः अच्छा? तो दोनों हाथों में लड्डू चाहिए?

जिज्ञासुः तो उसके लिए अगर कुछ हम भेजना चाहें तो जा सकते हैं?

बाबाः कहाँ भेजना चाहें?

जिज्ञास्ः एन.एस.।

बाबाः क्छ नहीं मिलेगा उसे।

Student: She (the mother) had sought permission.

Baba: Well, should one person be permitted or should everyone be permitted?

Student: Baba alone will know about this.

Baba: What will Baba know? Should partiality be done or should everyone be treated

equally?

Student: Everyone should be treated equally.

Baba: Acchaa? So, you do you want to have laddu (sweet) in both hands (good luck)?

Student: So, if we wish to send anything for her, will it reach her?

Baba: Where do you want to send?

Student: NS.

Baba: She will not get anything [sent by you].

जिज्ञासुः उसे क्छ नहीं मिलेगा?

बाबाः ना। तुम्हारी चीज़ लेके नर्क में गिरेगी क्या? तुम कहाँ से देओगे? तुम अगर देओगे भी तो उसकी ही प्रापर्टी तुम उसको कौड़ियों के रूप में देओगे। (जिज्ञासु ने कहा-बाबा का ही प्रॉपर्टी है...) अरे, आजकल तो कन्याओं का हिस्सा जो होता है बराबर हिस्सा होता है। तो तुम कहाँ से दे देओगे? (जिज्ञासु ने कहा- बाबा का जो है...) क्या बाबा का दे देओगे? देने की बात मत करो। तुम खुद लड़की दिये हुए हो। तुम क्या दे देओगे? और कन्याओं के बुद्धियोग को खींचना कि देखो हमारे माँ-बाप ने हमको दिया। तो बुद्धि माँ-बाप की तरफ जाए। तो उससे कन्या की बुद्धि का पतन होगा या उत्थान होगा? (जिज्ञास् - पतन।)

Student: Will she not get anything?

Baba: No. Do you want her to fall in hell by taking things from you? From where will you give it? Even if you give [her something], you will give her the *property* that belongs to her in the form of cowries¹³. (Student said: it is Baba's own property....) *Arey*, nowadays the daughters have an equal share [in the property]. So, what will you give her? (Student said: that which belongs to Baba....) What will you give [her] that belongs to Baba? Do not speak about giving. You have given your very daughter. What [else] will you give? [Your act will] pull the connection of the intellect of the virgins even more; [they will think:] look, my parents gave me [something]. So their intellect will go towards their parents. So, will the virgin's intellect undergo downfall or will it rise [high] by this? (Student: downfall.)

बाबाः मान लो माँ-बाप ने एक-दो-चार साड़ियाँ दे दी। यज्ञ की साड़ी नहीं पहनेगी। माँ-बाप की दी हुई पहनेगी तो याद कौन आएगा? माँ-बाप याद आएंगे। दुर्गति होगी, सद्गति होगी? (बहुतों ने कहा - दुर्गति।)

दूसरा जिज्ञासः ऐसा भी तो हो सकता है बाबा कि दे दें उनको जानकारी न हो।

बाबाः तो बोलते काहे के लिए हो? बोलना जरूरी है भरी सभा में?

दूसरा जिज्ञासुः अच्छा बाबा, माता-कन्याओं के लिए तो एन.एस. बना।

बाबाः माता-कन्याओं के लिए एन.एस. बना?

दूसरा जिज्ञासुः अभी तक तो माता-कन्याएं ही जा रही हैं ना ।

बाबाः क्यों भाई लोग नहीं हैं? बिना भाईयों के कोई काम चलता है क्या? पाण्डवों के बगैर शक्तियों का काम चलेगा क्या? नहीं।

दूसरा जिज्ञासः भाईयों के लिए भी कुछ अलग से एन.एस. का कोई हिसाब-किताब है?

बाबाः अरे बोला हुआ है बापदादा ने नई दुनियां की सौगात तुम बच्चों को दी है। नई दुनियां में जाना-आना करते हो ना? तो भाईयों के बगैर कैसे काम चलेगा? जरूर कोई भाई भी हैं जो जाना-आना करते हैं।

Baba: Suppose the parents gave her one-two-four sarees. She will not wear the saree given from the *yagya*. If she wears the saree given by the parents, who will come to her mind? The parents will come to her mind. So, will she undergo degradation or true liberation? (Many said: degradation.)

Another student: It is also possible that we give [her something] and she doesn't come to know about it [that the thing has been sent by her parents].

Baba: Then why do you speak about it? Is it necessary to speak about it in a packed gathering?

Another student: Acchaa Baba, NS has been formed for the mothers and virgins.

Baba: NS has been formed for the mothers and virgins?

Another student: So far only the mothers and virgins have been going there.

Baba: Why? Are there not the brothers there? Is any task accomplished without the brothers? Can the *shaktis* work without the Pandavas? No.

Another student: Is there any separate arrangement for brothers in NS?

_

¹³ Shell / something least valuable.

Baba: *Arey*, it has been said that Bapdada has given the gift of the new world to you children. You visit that new world, don't you? So, how can the task be accomplished without the brothers? Definitely there are some brothers as well who come and go [there]. (Concluded.)

.....

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.